वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 250 | बुधवार 4 जनवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

## जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल हर किसी के लिए होगा खास

### दुनियाभर के साहित्यकार चर्चित मुद्दों पर करेंगे चर्चा, आमेर फोर्ट पर सजेगी हैरिटेज इवनिंग

जयपुर. कासं

दुनिया के सबसे चर्चित लिटरेरी शो में गिने जाने वाले जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के 16वें संस्करण का आयोजन 19 से 23 जनवरी को होने जा रहा है। पांच दिवसीय इस साहित्यिक उत्सव में दुनिया के श्रेष्ठ वक्ता, लेखक और चिंतक जयपुर के होटल क्लार्क्स आमेर में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएंगे। फेस्टिवल के दौरान प्रतिभाशाली कलाकारों की शानदार कलाकृतियों ध्यान खींचेगी। वहीं, फेस्टिवल वेन्यू पर उपलब्ध स्वादिष्ट व्यंजनों का भी लुत्फ उठाया जा सकेगा। फेस्टिवल के समानांतर चलने वाले कल्चरल ईवनिंग, म्यूजिकल प्रोग्राम इस बार सभी के लिए खास होगा। इस को देखकर यही कहा जा सकता है कि इस बार जेएलएफ हर किसी के लिए हर तरह से अलग अनुभव देने वाला साबित होगा।

## राजस्थान में 3 दिन कड़ाके की सर्दी का अलर्ट, छाया घना कोहरा

### तीन शहरों में पारा माइनस में, चूरू-माउंट आबू में जमी बर्फ

जयपुर. कासं

जयपुर समेत पूरा उत्तरी-पूर्वी राजस्थान घने कोहरे की चपेट में है। जयपुर में कोहरे के कारण विजिबिलिटी 50 मीटर से भी कम रही। सर्द हवा के कारण फतेहपुर, माउंट आबू, चूरू के खुले इलाकों में बर्फ जम गई। चूरू में सीजन की सबसे सर्द रात रही, जहां पहली बार पारा माइनस में दर्ज हुआ। कोहरे का सबसे ज्यादा असर जयपुर, अलवर, दौसा, भरतपुर के अलावा गंगानगर, हनुमानगढ़, झुंझुनूं एरिया में रहा। एक साथ तीन शहरों चूरू, फतेहपुर और माउंट आबू में पारा माइनस में पहुंचा। मौसम केन्द्र जयपुर ने आगामी 3 दिन के लिए तेज कड़ाके की सर्दी की चेतावनी जारी करते हुए जयपुर, भरतपुर और बीकानेर संभाग के जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। यहां 4 जनवरी तक घना कोहरा पड़ने, जबकि 6 जनवरी तक तेज कोल्ड-वेव (शीत लहर) चलने और फसलों में पाला पड़ने की आशंका जताई है। मौसम की स्थिति देखें तो जयपुर, अलवर के ग्रामीण इलाकों में तो कोहरे के कारण विजिबिलिटी 10 मीटर तक ही रही यानी इससे ज्यादा दूरी पर खड़ा व्यक्ति या रखी कोई वस्तु दिखाई तक नहीं दे रही थी। कोहरे के कारण जयपुर से दिल्ली, सीकर, टोंक, आगरा और अजमेर बाइपास पर गाड़ियों की आवाजाही भी प्रभावित रही और धीमी गति से गाड़ियां चली। जयपुर एयरपोर्ट पर भी सुबह कोहरे के कारण विजिबिलिटी 50 मीटर ही रही, जिसके कारण फ्लाइट्स भी प्रभावित हुई।

### चूरू में सीजन का पहली बार पारा माइनस में

चूरू में इस सीजन में पहली बार पारा माइनस में गया है। आज यहां न्यूनतम तापमान -0.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इससे एक दिन पहले चूरू में तापमान 1.6 डिग्री सेल्सियस था। सीकर के फतेहपुर में आज पारा माइनस दर्ज हुआ, जिसके चलते यहां खेतों में बर्फ जम गई। कार, गाड़ियों की सीटों पर ओंस की बूंदें बर्फ में तब्दील हो गई। यही स्थिति हिल स्टेशन माउंट आबू में रही। यहां भी आज दूसरे दिन पारा जमाव बिंदु से नीचे दर्ज हुआ। इस कारण यहां आज भी सुबह से मैदानों में बर्फ जमी हुई है।

### 4 फ्लाइट्स नहीं भर पाई उड़ान

कोहरे का असर आज जयपुर एयरपोर्ट पर देखने को मिला। यहां से सुबह मुंबई, दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली 4 फ्लाइट्स को कम विजिबिलिटी के कारण रोका गया है। इसके अलावा 2 इंटरनेशनल फ्लाइट भी एप्रिन पर खड़ी हैं, जो उड़ान भरने के इंतजार में है। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक इन सभी फ्लाइट्स को 11 बजे बाद कोहरा हल्का पड़ने पर भेजा जाएगा। वहीं, दिल्ली-मुंबई से सुबह आने वाली फ्लाइट्स भी आज समय पर नहीं पहुंची। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक कोहरे के कारण आज 8 से ज्यादा फ्लाइट्स का संचालन प्रभावित हुआ है। मौसम केन्द्र जयपुर ने 4 जनवरी तक राजस्थान के कई हिस्सों में घना कोहरा पड़ने की चेतावनी जारी की है। इसके तहत हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनूं, सीकर जिलों के लिए 5 जनवरी तक ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

## 17 दिन में 128 विधानसभा क्षेत्रों में बीजेपी की सभाएं

### पूनिया, मेघवाल, अरूण सिंह सबसे ज्यादा सक्रिय; राजे की आंदोलन से अब भी दूरी

जयपुर. कासं

राजस्थान में बीजेपी की जनाक्रोश सभाएं अगले 10 दिन तक और चल सकती हैं। कांग्रेस सरकार के 4 साल के विरोध में बीजेपी ने पिछले महीने जनाक्रोश आंदोलन लॉन्च किया था। इस आंदोलन में पूरे प्रदेश के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में जनाक्रोश रथयात्रा निकालने के बाद बीजेपी ने सभी विधानसभा क्षेत्रों में जनाक्रोश सभाएं कीं। 16 दिसम्बर से शुरू हुआ बीजेपी

की जनाक्रोश सभाओं का यह दौर जनवरी के दूसरे सप्ताह तक जारी रह सकता है। बीजेपी अब तक 200 में से 128 विधानसभा क्षेत्रों में अपनी जनाक्रोश सभाएं कर चुकी है। वहीं 72 और विधानसभा क्षेत्रों में ये सभाएं होनी है। मारवाड़ और हाड़ौती क्षेत्र के कई इलाकों में अभी भी जनसभाएं होना शेष है।

बीजेपी अपने इस अभियान से कांग्रेस के प्रति माहौल बनाने के साथ-साथ राजस्थान में खुद की एकता दशार्ने की कोशिश में है। मगर अब भी कई मोर्चों पर बीजेपी में खेमेबंदी और खींचतान दिखाई दे रही है। 1 दिसम्बर से शुरू हुए बीजेपी के इस आंदोलन में पूर्व सीएम वसुंधरा राजे बहुत ज्यादा शामिल होती नजर नहीं आई हैं। आंदोलन की शुरूआत में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा के कार्यक्रम के बाद वसुंधरा ने इस आंदोलन से दूरी बनाई हुई है। हालांकि इसके पीछे बीजेपी उनके पारिवारिक कारण होना बताती है। मगर यह भी एक सच्चाई है कि वसुंधरा इस बीच अन्य कई राजनीतिक, सामाजिक और निजी कार्यक्रमों में शामिल हुई हैं। मगर जनाक्रोश में वसुंधरा राजे का ज्यादा सक्रियता से शामिल नहीं होना बीजेपी में चर्चा का विषय जरूर है।

# शिखर जी को लेकर अनशनरत मुनिश्री की सांगानेर में हुई समाधि

**मुनिश्री का बलिदान खाली नहीं जायेगा, शांत भाव से शरीर त्याग कर तीर्थ रक्षा के लिए अमर हो गए मुनि श्रीः आचार्य सुनील सागरजी**

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

तीर्थ संस्कृति के केन्द्र है इनसे हमारे देश का इतिहास और संस्कृति का विस्तार होता है तीर्थ राज सम्मेद शिखर जी की रक्षा के लिए मुनिश्री सुज्ञेय सागर जी महाराज ने अन्न का त्याग कर दिया था और आज ब्रह्ममूहर्त में तीर्थ रक्षा के लिए ब्रह्मलीन हो गए । सम्मेद शिखर जी के लिए ये पहली आहुति है संत कुछ कर नहीं सकते लेकिन देश में चेतना तो जागृत कर ही सकते हैं उक्त आश्य केउद्गार सांगानेर जयपुर में विराजमान आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए ।

## शिखर जी के लिए नजीर बन गए एक संत

तीर्थ राज सम्मेद शिखर जी के लिए अन्न त्याग कर अनशन कर रहे मुनिश्री सुज्ञेय सागर जी महाराज का बलिदान खाली नहीं जायेगा हम इस आन्दोलन को जब तक अहिंसक रूप से जारी रखेंगे तब तक की तीर्थ राज को पवित्र क्षेत्र घोषित नहीं कर दिया जाता । आज हम भारत वर्ष की जैन समाज ऐसे संत के चरणों में अपनी विनाजंलि अर्पित करते हैं। अब सरकार को शीघ्र कोई ऐसा निर्णय लेना चाहिए जिससे कि ये अहिंसक समाज अपनी आस्थाओं के केन्द्र के प्रति आशानवित हो सके।

## कठिन साधना करने वाले संत थे मुनि श्री सुज्ञेयसागरजी

इसके पहले आचार्य श्री शशांक सागर जी महाराज ने कहा कि मुनिश्री ने सिंह निष्क्रियण ब्रत की आधी यात्रा तय कर ली थी। वे बड़े

तपस्वी संत थे राजस्थान में जन्म लेकर गुजरात के गिरनार पर्वत पर दीक्षा पा शैलेश सागर बने फिर बासवाडा में जेनेश्वरी दीक्षा पा सुज्ञेयसागर बन आज तीर्थ राज सम्मेद शिखर जी के लिए अपनी देह को त्याग दिया । उन्होंने तप साधना करते हुए अहिंसा धर्म की प्रभावना में अपना जीवन समर्पित कर दिया । इसके पहले कमेटी के अध्यक्ष प्रेम बज, महामंत्री सुरेश कासलीवाल, नरेंद्र पांड्या , राकेश रावका, संजय छावड़ा, ज्ञानचंद सोगानी, महावीर प्रसाद जैन, नरेंद्र वज सहित अन्य भक्तों जनों ने अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए । अंतिम यात्रा में जुटे जैन समाज के हजारों युवा जैन मुनि के सम्मेद शिखरजी अनशन को लेकर देह त्याग की खबर आग की तरह फेल गई देखते ही देखते सांगानेर में श्रावको के हुजूम इकट्ठा हो गए। हजारों की संख्या में स्त्री पुरुष बच्चे जय जय कार करते हुए अंतिम यात्रा में शामिल हुए । मुनि श्री के डोला उठाने का सौभाग्य विजय कुमार अजमेरा, ज्ञान अशोक होगा नई, दिनेश कमलेश जडावत भीमंडी मुम्बई को मिला। यह शोभायात्रा संघी जी मन्दिर से शिकार पुरा जैन नशियां रोड होते हुए वीरोदय नगर पहुंची, जहां हजारों भक्तों व समस्त मुनि संघ के सान्निध्य में अंतिम संस्कार की क्रिया की गई ।


## तीये की बैठक

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि मेरी धर्मपत्नी

**श्रीमती पुष्पलता जैन**

धर्मपत्नी अशोक कुमार जैन (बिलाला) का स्वर्गवास दिनांक 02-01-2023 को हो गया है जिनकी तीये की बैठक दिनांक 05-01-2023 को श्री दिगम्बर जैन मंदिर,मोहनबाड़ी पर प्रातः 10 बजे रखी गई है।

**शोकाकुलः-** भागचन्द, पदमचंद, राजेश, सुरेश, नेमीचन्द (देवर), अजय (सीपी), विनय-गुंजन, पुलकित-वैशाली (पुत्र-पुत्रवधु), अभिषेक, हर्ष, कपिल (भतीजे), दुर्वा, धैर्य, हिमांक(पौत्र-पौत्री) एवं

समस्त बिलाला परिवार (लालगढ़ वाले) 7615060671

**पीहर पक्षः-महावीर, अशोक, सुभाष, एवं समस्त अजमेरा परिवार (कोटखावदा)**

**प्रतिष्ठानः-अरिहंत नाट्य संस्था, जयपुर**

# सम्मेत शिखर तीर्थ को पर्यटक स्थल घोषित करने के विरोध में सूरत में आयोजित रैली में जैनों का उमड़ा जनसैलाब

## उपस्थित जैन धर्मावलंबियों की संख्या एक लाख पार का अनुमान

## दो किलोमीटर लंबी रैली में जय गिरिराज, जय गिरिराज के नारों के साथ सम्पूर्ण सूरत का जैन समुदाय उमड़ा

**गणपत भंसाली. शाबाश इंडिया**

**सूरत।** जैन धर्मावलंबियों के पवित्र तीर्थ सम्मेत शिखर जी को झारखंड सरकार द्वारा पर्यटक स्थल की श्रेणी में समावेश किए जाने पर सूरत के समस्त जैन समाज द्वारा मंगलवार 3 जनवरी 2022 को सुबह 9 बजे से ही विरोधस्वरूप एक विराट रैली का आयोजन किया गया। अठवालाइंस के निकट सरगम शॉपिंग सेंटर के आगे बनाए मंच पर जैन धर्म के दिगम्बर पंथ के आचार्य श्री वसुनंदी जी म.सा ठाणा-4 व श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के आचार्य श्री हेमचन्द्र सूरीश्वर जी म.सा, आचार्य श्री कुलचंद सूरीश्वर जी म.सा, पंडित आचार्य श्री युग भूषण सूरीश्वर जी म.सा, आचार्य श्री सागर चन्द जी सागर म.सा, आचार्य श्री जगवल्लभ सूरीश्वर जी म.सा आदि आचार्यों व पचासों साधु भगवन्तों के सान्निध्य में तीर्थराज सम्मेत शिखर की पवित्रता व पावनता अक्षुण रखने की मांग दोहराई गई। मंच पर बताया गया कि तेरापंथ धर्म संघ के आचार्य श्री महाश्रमण जी व श्रमण संघ के आचार्य श्री शिवमुनि जी म. सा के भी इस रैली के उपलक्ष में मंगल आर्शीवचन प्राप्त हुए हैं। ज्ञात रहे कि झारखंड सरकार द्वारा सम्मेत शिखर तीर्थ को पर्यटक केंद्र के रूप में विकसित करने का निर्णय किया गया है जिसका देश-विदेश में सम्पूर्ण जैन समुदाय द्वारा पुरजोर विरोध किया जा रहा हैं। सरकार के इस निर्णय के विरोध में सूरत का जैन समुदाय आज 3 जनवरी को आयोजित इस विशाल रैली में शामिल हुआ व जिला सेवा सदन स्थित जिला कलेक्टर के कार्यालय में पहुंच कर ज्ञापन दिया गया। सूरत के इतिहास में जैन समुदाय की सम्भवत यह पहली रैली होगी जिसमें भाग लेने वालों की संख्या एक लाख से ज्यादा आंकी गई है। जहां नजरें दौड़ाएं वहां चहुं और मानव समंदर उमड़ा नजर आ रहा था। अतीत में संथारा मुद्दे पर सूरत में जैन समाज द्वारा विशाल रैली का आयोजन किया गया था लेकिन आज आयोजित महारैली में उमड़े जनसैलाब ने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ डाले हैं। यह उल्लेखनीय है कि जबसे सम्मेद शिखर तीर्थ को पर्यटक स्थल घोषित किया गया है तब से झारखंड सरकार के इस निर्णय का देश भर के जैनों द्वारा पुरजोर विरोध किया जा रहा है व सोश्यल मीडिया पर देश भर में हुए विरोध प्रदर्शन के फोटो वायरल हो रहे है, अब तक जबलपुर (मध्य प्रदेश) में जैन समुदाय द्वारा इसी मुद्दे पर आयोजित विशाल रैली के फोटो वीडियो को सराहा जा रहा था व वहां के जैन समुदाय की जागरूकता की प्रशंसा की जा रही थी लेकिन आज सूरत में सम्पूर्ण जैन समुदाय की रैली ने न बल्कि सूरत अपितु सम्पूर्ण देश में विभिन्न मुद्दों व मांग पर अब तक आयोजित रैलियों के भी सारे रिकॉर्ड को तोड़ डाला हैं। सराहनीय पहलू यह भी था कि रैली में लाखों की संख्या में जैन समुदाय मौजूद था लेकिन पुलिस कर्मचारी व अधिकारी पूर्णरूपेण निश्चन्त थे। एक पुलिसकर्मी ने कहा भी कि हमें सुरक्षा व सावधानी के मद्देनजर तैनात रहना पड़ता है, लेकिन जैन समाज स्वयंभू अनुशासित है अतः हम इस रैली को लेकर चेन की सांस ले रहे थे। विराट रैली में आकर्षण का केंद्र पंचरंगा जैन ध्वज का प्रतीक लम्बा कपड़े का थान था जो फोटो व वीडियो में रैली की भव्यता में इजाफा कर रहा था। इस रैली के समाचार की कवरेज करने अहमदाबाद से इंडिया टी वी के ब्योरोंचीफ रिपोर्टर निर्णय कपूर तथा ए बी पी न्यूज, सन्देश, गुजरात समाचार आदि न्यूज चैनलों के रिपोर्टर पहुंचे हुए थे। इस रैली में दिगम्बर, श्वेताम्बर, स्थानकवासी, तेरापंथी व जैन धर्म के विभिन्न जैन घटक, पंथ, गच्छ, मत व सम्प्रदायों से जुड़े महिला-पुरुष, युवक व युवतियां शामिल थे। रैली में जैन धर्मावलंबियों के हाथों में विभिन्न नारों से युक्त तख्तियां थी व हजारों की तादाद में झण्डिया थी। रैली में जहां मूर्तिपूजक सम्प्रदाय के जैन आचार्य व साधु साध्वी सम्मिलित थे वहीं महिलाओं तथा बच्चों की भी भरपूर उपस्थिति थी। उल्लेखनीय है कि इस विराट रैली की तैयारियां पिछले कई दिनों से व्यापक रूप से चल रही थी व सम्पूर्ण शहर में 50 से ज्यादा बड़े होर्डिंग लगाए गए थे, जिन पर सम्मेद शिखर तीर्थ को पर्यटक स्थल घोषित करने के निर्णय को वापस लेने के अनुरोध भरे सूत्र लिखे हुए थे व 3 जनवरी को सूरत में आयोजित विशाल रैली की सूचना थी।

## वेद ज्ञान

# नजरिया बदलें

किसी अप्रिय घटना के बाद हम देर तक परेशान रहते हैं और बदला लेने की तैयारी में जुट जाते हैं। इस दौरान अधिकांश नकारात्मक विचार आते हैं। एक बेस्ट सेलर किताब के लेखक बेन डायर का कहना है कि जीवन में ज्यादातर दरारें स्थिति को आत्मसात न करने के कारण पड़ती हैं। लोगों को पानी की तरह पारदर्शी और प्रत्येक स्थिति में ढल जाने की प्रवृत्ति रखनी चाहिए। रुका हुआ पानी गंदा हो जाता है, उसी तरह किसी कड़वे अनुभव का प्रभाव देर तक मन में रहकर वर्तमान को दुखद बना देता है। जरूरी है कहीं पर माफ कर दें और कहीं पर माफी मांग लें। यह तो सत्य है कि दुख देने वाले को माफ करना मुश्किल है, प्रतिशोध की भावना रह-रह कर उमड़ती है, पर जीवन के सकारात्मक पहलुओं से अच्छे परिवर्तन पर ध्यान देना चाहिए। सबके साथ मिलकर चलना नई संभावनाओं को जन्म देता है जो आत्मकेंद्रित न होकर वसुधैव कुटुंबकम की तरफ ले जाता है और सच तो यह भी है कि प्यार के बदले प्यार मिलता है। ब्रिटिश लेखक लाउज ने भी कहा है कि किसी अप्रिय घटना का प्रत्युत्तर दयालुता से देने का खतरा हम उठा लें तो कड़वाहट तत्क्षण खत्म हो जाती है। हानि पहुंचाने वाले सभी विचारों से खुद को दूर कर देखें तो हम शत्रु भाव से भी मुक्त हो जाएंगे। यदि लगता है कि चीजें सिर्फ हमें दुखी करने के लिए की जा रही हैं तो भी उसे व्यक्तिगत न मान कर छोड़ देना चाहिए। व्यक्ति और स्थितियां बदलती रहती हैं। नकारात्मक लोगों को अपने अनुकूल बनाना मुश्किल है, पर उन तक पहुंचना आसान है जो हमारे अनुकूल हैं। अगर कभी लगे कि दुनिया में सब लोग बुरे और प्रतिकूल विचारों वाले ही मिल रहे हैं तो एक बार अपने अंदर भी झांक कर देख लेना चाहिए। हो सकता है अपना ही व्यवहार ऐसा हो जो सबको दुखी कर रहा हो। सबके साथ सम्मान से पेश आना चाहिए। हमें स्वयं पर दूसरों के प्रभाव को देखने का तरीका बदलना होगा, तब कई अच्छे पक्ष सामने आएंगे। दूसरों की सोच बदलने की कोशिश से अच्छा है, अपनी ही सोच को परिष्कृत किया जाए। लोगों को समझने का दायरा बढ़ाना होगा। इससे कोई मतभेद हुए बगैर विभिन्न स्वभाव वाले लोगों के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सुविधा होगी।

## संपादकीय

# ब्याज दरों में वृद्धि जारी रखने के बावजूद

अमेरिकी फेड द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि जारी रखने के बावजूद भारत में शुद्ध पूंजी प्रवाह में वृद्धि होगी और रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद, विश्व व्यापार बढ़ेगा। आज से नया साल शुरू हो चुका है, मगर बीते साल की लंबी छाया अभी तक हटी नहीं है। 2008 के अप्रत्याशित अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संकट ने 2009 की गतिविधियों को निर्धारित किया था। 2020 की अभूतपूर्व महामारी ने 2021 की दिशा तय कर दी थी। तो क्या 2022 की घटनाओं का असामान्य संयोजन 2023 की दिशा तय करेगा? इसका प्रभाव दुनिया की सभी अर्थव्यवस्थाओं में महसूस किया जाएगा और भारत इसका अपवाद नहीं होगा। निस्संदेह, भारत सरकार इस तरह के पूर्वानुमानों पर विवाद करती है। भाजपा सरकार के लिए, भारत अपवाद है। अकेले सरकार ऐसा मानती है कि 2023 में वृद्धि दर ऊंची रहेगी,

मुद्रास्फीति मध्यम होगी और बेरोजगारी दर में गिरावट आएगी। अमेरिकी फेड द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि जारी रखने के बावजूद भारत में शुद्ध पूंजी प्रवाह में वृद्धि होगी और रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद, विश्व व्यापार बढ़ेगा। मुझे लगता है कि कोई भी समान रूप से आशावादी हो सकता है और भविष्यवाणी कर सकता है कि भारत के शीर्ष क्रम की उदासीन बल्लेबाजी के बावजूद, रविचंद्रन आश्विन आइसीसी विश्व कप 2023 में भारत को ऐतिहासिक जीत तक ले जाएंगे। जैसा कि कहा जाता है, अगर इच्छाएं घोड़ा होतीं, तो भिखारी उन पर सवारी करते। मुझे उम्मीद है कि सरकार के नेता और वरिष्ठ अधिकारी अपनी रिपोर्ट और विश्व संगठनों की रिपोर्ट पढ़ेंगे। यहां भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति पर कुछ रिपोर्टें दी गई हैं। जोखिमों का संतुलन तेजी से बढ़ते अंधेरे वैश्विक दृष्टिकोण की ओर झुका हुआ है और उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाएं (ईएमई) अधिक कमजोर दिखाई देती हैं, भले ही आने वाले आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक मुद्रास्फीति चरम पर हो सकती है। महंगाई थोड़ी कम हो सकती है, लेकिन निश्चित रूप से यह बनी रहेगी। कुछ भी हो, यह अंतर चौड़ा और जिद्दी होता गया है। भारत अपने मूल्य स्थिरता उद्देश्य में पहला मील का पत्थर हासिल करने को तैयार है- 2023-24 के दौरान शीर्ष मुद्रास्फीति को स्थायी रूप से सहनशील स्तर पर लाना। फिर भी, अगले साल की दूसरी तिमाही में मुद्रास्फीति के बढ़ने का अनुमान है, इससे सुरक्षा में कोई कमी नहीं आ सकती। घरेलू मुद्रास्फीतिः सीपीआइ कोर मुद्रास्फीति लगातार तीसरे महीने छह फीसद पर स्थिर रही। क्षेत्रीय वितरण के संदर्भ में, नवंबर 2022 में ग्रामीण मुद्रास्फीति (6.09 फीसद) शहरी मुद्रास्फीति (5.68 फीसद) से अधिक थी। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) ने 2023 के लिए वैश्विक विकास दर 2.2 फीसद आंकी है, जो कि 2022 के 3.1 फीसद के पूर्वानुमान से नब्बे आधार अंक कम है।

**-राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

# अपनत्व से अपरिचय

स्वामी विवेकानंद ने व्यक्ति और भ्रातृत्व का अर्थ वसुधैव कुटुम्बकम के संदर्भ में हमें समझाया थाः केवल एक ही ईश्वर की पूजा होनी हैः मनुष्य की आत्मा और भौतिक शरीर! जानवर का शरीर भी मंदिर है, लेकिन मनुष्य सबसे ऊपर है। सात-आठ दशक पहले जितने भी देश उपनिवेशवाद से मुक्त हुए, वे सब उस समय विकासशील या निम्न विकासशील देश कहलाए। लगभग इन सबके समक्ष दो मुख्य चुनौतियां थीं। पहली, अपने देश के एक विशिष्ट वर्ग को, जो पहले से ही सत्तातंत्र चलाता आ रहा था, उपनिवेशवादी मानसिकता से कैसे मुक्त करें। दूसरी, विकास की कौन-सी अवधारणा अपनाई जाए। पूर्व-उपनिवेशवादी शक्तियां इन देशों में अपनी बनाई विकास पद्धतियों को नए कलेवर में जारी रखना चाहतीं थीं। वे सहायता के लुभावने प्रस्ताव प्रस्तुत कर रहे थे। आर्थिक सहायता के अंतर्गत वे अपने विशेषज्ञ तथा योजनाएं और उपकरण तक देने को प्रस्तुत थे! भारत की स्वतंत्रता के बाद के तीन-चार दशक इसका अत्यंत सटीक उदहारण रहे हैं। सत्ता से बाहर अनेक विद्वत जन, विशेषकर वे जो गांधी को समझाते और उन्हें भुलाने को तैयार नहीं थे, इस स्थिति से चिंतित थे। विचारक धर्मपाल ने तीसरी पंचवर्षीय योजन पर संसद में हुए संवाद का अध्ययन कर अपनी चिंता कुछ इस प्रकार प्रकट की थीः जिन लोगों को लेकर हम सपने बुनते, योजनाएं बनाते हैं, वे तस्वीर में हैं कहां? हम जिस भारत का पुनर्निर्माण करना चाहते हैं, उसमें श्रमिक या दिहाड़ी मजदूर कितने और कहां शामिल हैं? इस अलगाव के कारण अत्यंत गहरे हैं। उन्हें समझने के लिए भारत की आत्मा के निकट जाना होगा। इस आत्मा को जगाना पड़ेगा। बड़े बांध और स्टील के कारखाने निर्मित करने के पहले हमें भारत के उन लोगों- जिन्हें अज्ञानी और अशिक्षित माना जाता है और ह्यटीमिंग मिलियन्सह्ल कह कर संबोधित किया जाता है- की आत्मा को जागृत करना होगा। इसी में निहित भारत के लिए विकास की उपयुक्त अवधारणा को बाद के दशकों में शिक्षाविद दौलत सिंह कोठारी भी अपने ढंग से प्रस्तुत करते थेः ह्यभारत के विकास के मूल तत्त्व हैं- एसटीपीजी- साइंस, टेक्नोलाजी, प्रोडक्शन, और गांधी !ह्ल अगर देश ने प्रारंभिक वर्षों में चरित्र निर्माण पर जोर दिया होता, तो संसाधनों की कमी के कारण भले भाखड़ा-नांगल, भिलाई और बोकारो के निर्माण में देर होती, लेकिन जो शिक्षित युवा वहां या अन्य किसी क्षेत्र में कार्यभार संभालते, वे देश के प्रति समर्पित होते। लोगों के प्रति अपनत्व का भाव रखते, ईमानदारी का जीवन जीते, और अपरिग्रह से इतने दूर नहीं हो जाते कि उसे भूल ही जाएं। सड़कें पहली बरसात में बह नहीं जातीं, नए पुल कुछ महीनों में ही ढहते नहीं! उस स्थित की कल्पना कीजिए, जिसमें गांव से शहर आने वाले बीमार व्यक्ति को अस्पताल में समय से डाक्टर मिलते और उसे सारी दवाइयां वहीं पर उपलब्ध करा दी जातीं! कचहरी में, नगरपालिका कार्यालय में हर व्यक्ति यह सोच कर न जाता कि उसे सुविधा शुल्क तो देना ही पड़ेगा। पुलिस विभाग के किसी भी व्यक्ति को देखकर अपनत्व और सुरक्षा का भाव जागृत होता! यह अलभ्य लक्ष्य नहीं है। अगर व्यक्तित्व विकास और कार्य संस्कृति को प्रारंभिक वर्षों से ही अपेक्षित प्राथमिकता दी जाए, तो अब भी एक दशक के अंदर क्रांतिकारी परिवर्तन संभव है।

# भारतीय जैन संघटना ने नवीन कार्यकारिणी के गठन के उपलक्ष में गायों को लापसी खिलाकर शुरूआत की

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

**विजयनगर।** नव वर्ष के उपलक्ष में भारतीय जैन संघटना के विजयनगर की नवीन कार्यकारिणी के गठन के तत्वावधान में अध्यक्ष संपत लाल कांठेड़, सचिव अशोक नाबेड़ा एवं कोषाध्यक्ष अरविंद कुमार लोढ़ा एवं लगभग 50 सदस्यों द्वारा कड़ाके की सर्दी के बावजूद सपत्नीक नाकोड़ा भैरव गौशाला में गायों को लापसी खिलाकर पुण्य कार्य की शुरूआत की गई। संघटना के समस्त सम्माननीय सदस्यों द्वारा आयोजन को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। तत्पश्चात सुदर्शन वाटिका में सभी का स्नेहभोज का आयोजन किया गया जिसमे विजयनगर में संघटना के प्रदेश सचिव दिलीप तलेसरा एवं पूर्व अध्यक्ष महेंद्र कुमार बोरदिया का माल्यार्पण करके अभिनंदन किया गया।

# शोक संदेश

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है

**स्वर्गीय श्री जतनलाल जी बड़जात्या के सुपुत्र**

## श्री महावीर प्रसाद जी बड़जात्या

का आकस्मिक निधन आज दिनांक 3 जनवरी 2023 को मंगलवार को हो गया है, जिनकी अंतिम यात्रा 4 जनवरी 2023 को 11:00 बजे हमारे निवास स्थान:- मकान नंबर 844 /45 सौभाग्य सदन राज नारायण रोड नसीराबाद* से प्रस्थान होकर मोक्ष धाम जाएगी...

## शोकाकुल

राज कुमार, सुभाष चंद्र, ओमप्रकाश, नरेंद्र कुमार, सुरेंद्र कुमार, मनीष कुमार, अजीत, राहुल, हर्षित, अतीशे, कविश, आदिश बड़जात्या एवं समस्त बड़जात्या परिवार नसीराबाद

9414379864, 9460610179

# भक्तामर स्त्रोत्र का पाठ 48 दीपकों एवं रिद्धि-सिद्धि मंत्रो से आयोजित

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** दिगम्बर जैन महासमिति, मालवीय नगर संभाग द्वारा नववर्ष पर भक्तामर स्त्रोत्र का पाठ 48 दीपको एवं रिद्धि-सिद्धि मंत्रो से आयोजित किया गया। संभाग के अध्यक्ष अजीत बड़जात्या ने बताया कि नूतन वर्ष का प्रारंभ दिगम्बर जैन महासमिति, मालवीय नगर संभाग की ईकाई बी ब्लॉक द्वारा भक्तामर स्त्रोत्र का पाठ 48 दीपको एवं रिद्धि-सिद्धि मंत्रो से श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर,3 सेक्टर मालवीय नगर जयपुर द्वारा किया गया जिसकी संगीतमय प्रस्तुति रंजना बोहरा,कौशल्या तेरापंथी, अजीत बड़जात्या द्वारा की गई। कार्यक्रम का संयोजन महासमिति के संरक्षक सदस्य निर्मलकुमार जैन द्वारा किया गया -बी ब्लॉक इकाई के अध्यक्ष रविन्द्र बिलाला ने सभी पधारे समाज के श्रेष्ठिजन का अभिनंदन किया। दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल के पूर्व अध्यक्ष, शिरोमणि संरक्षक उत्तम कुमार सरोज पांड्या ने प्रथम दीपक प्रज्वलित कर शुरूआत की। इस अवसर पर अनेको धर्मावलंबियों के साथ पूर्व अध्यक्ष मालवीय नगर संभाग रमेश चंद चाँदवाड, मंत्री विजय कासलीवाल, कोषाध्यक्ष अरुण काला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामपाल, आंचलिक प्रतिनिधि जितेंद्र- अर्चना निगोतिया आदि ने उपस्थित हो कर धर्मलाभ उठाया।

### जैन सोश्यल ग्रुप महानगर के चुनाव संपन्न

# संजय जैन छाबड़ा आंवा अध्यक्ष, सुनील गंगवाल सचिव बने

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप महानगर के सत्र 2023-25 के 15 कार्यकारिणी सदस्यों का निर्विरोध चुनाव संपन्न हुआ। चुनाव अधिकारी रविप्रकाश जैन ने बताया कि चुनावो मे संजय छाबड़ा अध्यक्ष, सुशील कासलीवाल उपाध्यक्ष, सुनील गंगवाल सचिव, सुधीर सोनी सयुक्त सचिव और हेमंत बड़जात्या कोषाध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुने गए। संस्थापक अध्यक्ष प्रदीप जैन , पूर्व अध्यक्ष चंद्रशेखर जैन, वीरेंद्र जैन, दीपेश छाबड़ा और डॉ राजीव जैन ने सभी पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर शुभकामनाए प्रेषित की।

# सम्मेद शिखर जी के सम्मान में सर्व समाज मैदान में उतरा

## कैंडल मार्च निकालकर घंटाघर सर्किल पर आक्रोश प्रकट किया

**मोहन सिंहल. शाबाश इंडिया**

**टोंक।** जन-जन की आस्था का केंद्र 20 तीर्थंकर की निर्वाण स्थली महातीर्थराज सम्मेद शिखरजी को केंद्र सरकार एवं झारखंड सरकार द्वारा पर्यटक स्थल घोषित करने के विरोध में सोमवार को रात्रि 6:30 जैन नसिया से एक विशाल कैंडल मार्च मुख्य बाजारों से होते हुए घंटाघर तक निकाली । जहांपर सर्व समाज द्वारा जैन धर्म की जय जय कार, शिखरजी तीर्थ क्षेत्र हमारा है और आक्रोश प्रकट किया गया। समाज के प्रवक्ता पवन कंटान व कमल सर्राफ ने बताया की सम्मेद शिखरजी को पर्यटक स्थल घोषित करने के विरोध में देशभर में लगातार विरोध प्रदर्शन होते आ रहे हैं। इसी कड़ी में सोमवार को जैन नसिया में सर्व समाज के लोग इकट्ठे होकर उसमे बच्चे, महिलाएं, पुरुष, बुजुर्ग अपने हाथों में तख्तियां, बैनर, अपने सिरपर सम्मेदशिखर बचाओ की टोपी पहन कर, हाथों में कैंडल लेकर मुख्य बाजार से होते हुए जुलूस के रूप मे घंटाघर एकत्रित हुए, जिसमे जैन युवा संगठन द्वारा सम्मेद शिखर जी को बचाने के लिए जोशीले नारे लगाते हुए चल रहे थे । यह कैंडलमार्च घंटाघर पहुंचकर सभा के रूप में परिवर्तन हुआ। जहां पर सर्वसमाज से पधारे हुए पदाधिकारी ने सम्मेद शिखरजी पर्यटक स्थल का पूर्ण रूप से विरोध करके अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर आदर्श नगर, काफला बाजार, हाउसिंग बोर्ड, पुरानी टोंक, पटेल सर्कल सहित टोंक व्यापार महासंघ, किराना व्यापार संघ, गांधीगौशाला, अखिल भारतीय वैश्यसमाज, अंतराष्ट्रीयवैश्य समाज, सम्मेद शिखर जी यात्रासंघ,टोंक जिलाप्रमुख सरोज नरेश बंसल, पूर्व सभापति लक्ष्मी देवी जैन, नरेश बंसल, श्यामलाल जैन, पदमचंद आड़रा, धर्मेंद्र पासरोटीया, रमेश काला, संजय संघी, प्रभु, बाडोलिया, विष्णु शर्मा, सुनील बंसल आदि लेगों ने सम्मेद शिखर तीर्थक्षेत्र बचाने पर विचार व्यक्त किए। इस मौके पर मुंडन आंदोलन के तहत दीपक जैन गंगवाल एवं विजय कुमार शर्मा ने मुंडन करवाने के लिए उनका सम्मान किया गया। इस कैंडल मार्च में समाज के कमल आड़रा, सुरेश मलारना, पारस कुरेडा, भागचंद पुलेता, पारस जैन नगर, विनोद जैन कलई, बाबूलाल धोलीवाले, सुनील इलाइची वाले, राजेश अरिहंत, ताराचंद बड़जात्या, महेंद्र लाला, ओम प्रकाश गुप्ता,पंकज कलई, सुरेंद्र वकील, ओम ककोड़, मनीष अत्तर, लोकेश जैन,एस एम सिंहल आदि लोग मौजूद थे। मंच का संचालन रमेश काला ने किया।

## नसियां जैन मंदिर परिसर में शांतिनाथ मण्डल विधान मे उमड़े श्रद्धालु

### 108 इन्द्र इन्द्राणियों ने जमकर किया भक्ति नृत्य

**निवाई. शाबाश इंडिया।** आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के सानिध्य में सन्त निवास नसियां जैन मंदिर में जैन समाज के श्रद्धालुओं द्वारा गाजेबाजे के साथ शांतिनाथ मण्डल विधान आयोजित किया गया । जिसमें विधानाचार्य सुरेश कुमार शास्त्री, पण्डित गजेन्द्र शास्त्री एवं पण्डित महावीर शास्त्री के मंत्रोच्चार द्वारा सोधर्म इन्द्र मुख्य सचेतक महावीर प्रसाद जैन, पालिका उपाध्यक्ष जितेन्द्र जैन, चेतन जैन एवं गजेन्द्र जैन चंवरिया के परिवार जन सहित सभी इन्द्रो ने भगवान शांतिनाथ के अभिषेक एवं विश्व में शांति की कामना के लिए शांतिधारा की। इस दौरान जयकारों के साथ शांतिनाथ मण्डल विधान का शुभारंभ किया गया जिसकी शुरूआत भगवान शांतिनाथ के समक्ष पूर्व मुख्य सचेतक महावीर प्रसाद जैन विनोद बजाज एवं पिस्तौल देवी चंवरिया ने दीप प्रज्वलित कर किया गया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला व राकेश संधी ने बताया कि विधान के सोधर्म इन्द्र के साथ महेन्द्र जैन, खेमचंद जैन, शंभु कठमाणा, आशीष चंवरिया, नेमीचंद जैन, सुशील गिन्दोडी, पवन बोहरा द्वारा मण्डप पर पांच मंगल कलशों की स्थापना की गई। विधान मे मंगलाचरण गुणमाला चंवरिया, सुनीता जैन,सोनू जैन, प्रिया जैन, रेखा चंवरिया, सिम्पल जैन, पार्षद रिन्की बोहरा, मनीषा पहाड़ी, मीनाक्षी बगड़ी, राजुल भाणजा भक्ति सामुहिक नृत्य से की। इस दौरान विधान मे नवदेवता पूजा शांतिनाथ पूजा के साथ आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं शांतिनाथ मण्डल विधान की विशेष पूजा अर्चना गाजेबाजे से की गई। विधान कार्यक्रम का संचालन मुनि हितेंद्र सागर महाराज एवं पवन बोहरा ने किया। विधान मे संगीतकार भजन गायक रविन्द्र जैन द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी गई जिस पर सेकडों श्रद्धालुओं ने जमकर भक्ति नृत्य किए। जौंला ने बताया कि विधान मे सोधर्म इन्द्र परिवार द्वारा चार वलय मे 130 श्री फल अर्ध्य चडाक र पुण्यार्जन किया। विधान के अन्त मे शांतिनाथ भगवान की आरती उतारी गई। जौंला ने बताया कि विधान के बीच जैन समाज गौरव भामाशाह अशोक जी पाटनी आर के मार्बल किशनगढ़ का जैन समाज द्वारा सम्मानित किया। इस अवसर पर जैन समाज के कार्याध्यक्ष नेमीचंद गंगवाल, मंत्री महावीर प्रसाद पराणा, अशोक कटारिया, विष्णु बोहरा, सुनील भाणजा, अशोक बिलाला, विमल गिन्दोडी, गोपाल कठमाणा, सुशील कटारिया, नेमीचंद सिरस,गज्जू भैया, प्रवीण जैन किशनगढ़, अमित कटारिया, रमेश चंद गिन्दोडी, अनिल भाणजा, विनोद सुनारा, विमल गिन्दोडी सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

## रोगियों ने हड्डी रोग शिविर में लाभ प्राप्त किया

**कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया।** महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी के तत्वावधान में श्रीमती गुणमालादेवी कमलकुमार पाण्ड्या के सौजन्य से अरिहन्त हेल्थ केयर सेन्टर, कुचामन सिटी में मंगलवार, दिनांक 03.01.2023 को राजस्थान के विख्यात हड्डी रोग विषेषज्ञ, जॉइन्ट एवं घुटना रिपलेस्मेंट लिगामेंट सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. जितेश जैन, राजस्थान हॉस्पिटल, जयपुर द्वारा 63 रोगियों की निःशुल्क जाँच कर उचित परामर्श दिया गया। शिविर संयोजक अजित पहाड़िया व नरेश झांझरी ने बताया कि शिविर में 18 रोगियों के एक्सरे व 24 रोगियों की खून की जाँच निःशुल्क की गई। शिविर प्रत्येक माह के अन्तिम रविवार को नियमित आयोजन किया जायेगा। संस्था सचिव रामअवतार गोयल ने बताया कि सुभाष पहाड़िया, कैलाश पाण्ड्या, नन्दकिशोर बिडसर, सुरेश गौड, उषा-विनोद झांझरी, सम्पत बगड़ीया, नरेश झांझरी, महेश लढ्ढा, बोदुलाल कुमावत शिविर के सहयोगी रहे। पूर्व सरपंच भंवरलाल कड़वा, पार्षद भागीरथ कुमावत व जैन समाज के सौभागमल गंगवाल ने शिविर का अवलोकन कर संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यों की भूरी-भूरी प्रशसा की।

# कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 875 जरुरतमंदो को कम्बलों का किया वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया

कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट अपनी अलग-अलग योजनाओं के द्वारा मानव -जीवन की परिस्थितियों से जूझ रहे व्यक्तियों की सहायता के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। सर्दी का मौसम में संस्था जरूरतमंद व्यक्तियों को कम्बल वितरण कर रही है। लक्ष्य है उन व्यक्तियों की सहायता करना, जो हालात से मजबूर हैं। सरकारी अस्पतालों के प्रांगण में ऐसे सैंकड़ों व्यक्ति दिखते हैं जो दूर-दराज से आते है, जिनके पास सर्दी से बचाव का पर्याप्त उपाय नहीं होता है। शहर के अन्य स्थानों पर भी ऐसे मजबूर लोग देखने को मिलते है। ठिठुरते हुए उन लोगों के लिये सर्दी आने के साथ ही देवउठनी ग्यारस से प्रतिदिन निरंतर कम्बल बांटे जा रहे हैं। विशेष पुण्य-दिवसों पर अधिक से अधिक लाचार व्यक्तियों की सहायता करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में जयपुर दिनांक 2/1/2023 सोमवार एकादशी पर कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट ने अपनी योजना वस्त्र बैंक के माध्यम से 100 कमबलों का वितरण किया। संस्था अब तक 875 कम्बल का वितरण कर चुकी हैं, जिसमें बहुत से दानदाताओं का सहयोग रहा। ये मुहिम मकर संक्रांति तक चलेगी।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी ने कहा...

# रिश्ते उगे ना खेत में, मिले ना हाट बाजार... अपनों में ही ढूंढ लो, प्रेम मयी संसार

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

रिश्तों की सफलताओं के लिए इन चार से बचकर रहो।

**(1) चुगलखोर**
**(2) जलनखोर**
**(3) कानशोर**
**(4) मतलबी**

ऐसे लोग कभी किसी के नहीं होते। सच तो यही है - कि आपके अपनों के प्रति जो प्रेम अनुराग का भाव है वो अन्तरंग में कहीं ना कहीं, किसी ना किसी रूप में बना ही रहता है। इसलिए जब कभी किसी कार्य में सफलता मिले तो उसका श्रेय आप अपने संगी साथी और परिवार जनों को जरूर दें। क्योंकि जब भी कोई छोटी या बड़ी सफलता मिलती है, तो कुछ लोग आशीर्वाद देते हैं, कुछ लोग सहयोग देते हैं, कुछ लोग प्रोत्साहित करते हैं, और कुछ लोग प्रसन्नसा करते हैं। इसलिए ऐसे समय आप उनको मत भूलिए। आपके पास जो कुछ भी है उसमें आपके अपनों का डायरेक्ट या इन्डायरेक्ट सहयोग, प्रेम अनुराग का भाव निहित है। जब आप किसी कार्य में सफल होते हैं तो आपके अपने परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि किसी की नजर ना लगे, कोई बुरा ना करे, कोई नुकसान ना पहुंचाये, सदैव ऐसी सदभावना आपके अपने लोग करते रहते हैं। इसलिए हर सफलता में अपनों को धन्यवाद दें, बड़ों को प्रणाम करें और छोटो को मिठाई खिलायें। फिर देखो कैसा आनंद बरसता है। भारत के यशस्वी प्रधान मन्त्री नरेन्द्र मोदी जी, हर बड़ी सफलता के बाद माँ की चरण वन्दना और आशीर्वाद लेने घर जाते हैं। कभी आपने ध्यान दिया- ? जब कोई बड़े कार्य की सफलता के लिए घर से निकलता है तो माता बहिने उसकी आरती उतारती है - तुम्हें किसी की नजर ना लगे, और तुम सफलताओं के शिखर को छूकर सलामत वापस घर आ जाओ...।

नरेंद्र अजमेरा,
पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

# गुरुमां स्वस्तिभूषण माताजी को श्रीफल भेंट

## रविवार 8 जनवरी को मुरेना नगर प्रवेश की पूर्ण सम्भावना

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। श्री ज्ञानतीर्थ क्षेत्र पर विराजमान आर्यिका संघ को मुरेना सकल जैन समाज की ओर से नगरागमन के लिए श्रीफल भेंट किया गया। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर कमेटी के अध्यक्ष महेशचंद बंगाली एवं मंत्री धर्मेंद्र जैन ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि परम पूज्य सिंहरथ प्रवर्तक, त्रिलोकतीर्थ धाम प्रणेता, पंचम पट्टाचार्य विद्याभूषण सन्मतिसागर जी महाराज की परम प्रभावक शिष्या परम पूज्य स्वस्तिधाम प्रणेत्री, भारत गौरव, गुरुमां गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी का मंगल आगमन मुरेना (मध्यप्रदेश) की पावन धरा पर लगभग 15 वर्षो बाद हो रहा है । श्री ज्ञानतीर्थ क्षेत्र मुरेना में 01 फरवरी से 06 फरवरी तक होने जा रहे श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं विश्व शांति महायज्ञ महोत्सव पूज्य गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी के निर्देशन में ही सम्पन्न होगा। उक्त आयोजन के संदर्भ में ही माताजी ज्ञानतीर्थ पर विराजमान हैं। गत दिवस श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर कमेटी मुरेना एवं श्री गोपाल दिगम्बर जैन सिद्धांत सँस्कृत महाविद्यालय मुरेना की ओर से सकल जैन समाज मुरेना के साथ ज्ञानतीर्थ पर विराजमान गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ को मुरेना नगरागमन हेतु श्रीफल भेंट किया। सकल जैन समाज की ओर से श्री धर्मेंद्र जैन एडवोकेट (मंत्री बड़ा मन्दिर मुरेना) ने पूज्य माताजी के श्री चरणों में निवेदन करते हुए कहाकि हे गुरुमां आप मुरेना नगर में आकर हम भक्तों को ज्ञानरूपी गंगा में सरोवर होने का अवसर दें । इसके अतिरिक्त मुरेना नसियां जी जैन मंदिर में सन्त निबास का शिलान्यास भी होना है । यदि आप मुरेना नगर प्रवेश करती हैं तो आपके मंगल आशीष से हमारे सभी कार्य सुगम, सहज एवं सरलता से हो जाएंगे। पूज्य गणिनी आर्यिका माताजी ने सभी भक्तों को आशीर्वाद देते हुये स्वीकृति प्रदान की। रविवार 08 जनवरी को आर्यिका संघ के मुरेना नगर प्रवेश की पूर्ण सम्भावना है। श्रीफल भेंट करते समय सर्वश्री महेशचंद बंगाली, धर्मेंद्र जैन एडवोकेट, सुनील जैन (वूमेन फैशन) सूरत, सुनील भण्डारी, जगदीशचंद भैयाजी, मनोज जैन, प्रेमचंद, राजकुमार, ओमप्रकाश, विजय जैन, सुनील पुच्ची, सुनीत ठेकेदार, दिनेश एडवोकेट, अतुल जैन, संजू जैन, सतेंद्र जैन, पंकज जैन, सोनू जैन, श्रीमती मुन्नी साहुला, मंजू जैन, संगीता जैन, पुष्पा जैन सहित सैकड़ों की संख्या में साधर्मी बन्धु, माता-बहिनें एवं युवा साथी उपस्थित थे।

# दिवंगत पाटनी के नेत्रों से होगी दो नेत्रहीनों की दुनिया रोशन

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

**अजमेर।** सर्वोदय कॉलोनी अजमेर निवासी मुन्नालाल पाटनी सुपुत्र स्व.सुन्दर लाल पिता श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर के व्यवस्थापक मंत्री मनीष पाटनी एवम श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति अजमेर की युवा प्रकोष्ठ मंत्री रेनू पाटनी के ससुर के आकस्मिक निधन के उपरांत उनकी अंतिम इच्छानुसार एवम परिवारजन की सहमति के पश्चात उनका नेत्रदान कराया गया। अजमेर से बैंक सोसाइटी के चिकित्सक भरत शर्मा ने दिवंगत पाटनी के नेत्र उत्सर्जित किए। दिवंगत पाटनी के नेत्रों से दो नेत्रहीनों की अंधेरी दुनिया रोशन होगी। श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर के अध्यक्ष अतुल पाटनी ने सामाजिक कार्यकर्ता रहे मुन्नलाल पाटनी के नेत्रदान के पुनीत कार्य पर परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। आई बैंक सोसायटी के भरत शर्मा एवम उनकी टीम द्वारा सुरक्षात्मक एवम सफलता से एक जोड़ी कार्निया आई बैंक सोसायटी में जमा कराया गया जो जरूरतमंद व्यक्ति की नेत्र ज्योति प्रदान करेगी।

## आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

# कुलदेवी आध्य महालक्ष्मी जन आशीर्वाद रथ यात्रा का अजमेर में आगम

## जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत व पूजा आरती। 2 से 8 जनवरी तक अजमेर जिले में भ्रमण करेगी रथयात्रा

अजमेर. शाबाश इंडिया

**अनिल पाटनी।** अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन द्वारा गठित श्री अग्रसेन फाउंडेशन द्वारा आयोजित कुलदेवी आध्य महालक्ष्मी मंदिर निर्माण एवं जन आशीर्वाद यात्रा 2 जनवरी सोमवार को अजमेर पहुंच गयी जो 8 जनवरी रविवार तक अजमेर जिले में भ्रमण करेगी।

**अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन जिला शाखा अजमेर के जिला अध्यक्ष गिरधारीलाल मंगल व महामन्त्री पूर्व पार्षद शैलेंद्र अग्रवाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यात्रा को लेकर अजमेर के सकल अग्रवाल बंधुओं, मातृशक्ति व युवाओं में भारी उत्साह देखने में आया रथयात्रा का जगह जगह भव्य स्वागत सत्कार व आरती की गयी।**

इस यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन संस्था के प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक पंसारी, अजमेर जिलाध्यक्ष गिरधारीलाल मंगल, जिला महामंत्री शैलेंद्र अग्रवाल व युवा जिलाध्यक्ष गिरिराज अग्रवाल ने बताया कि अग्रविभूति स्मारक (अग्रोहा शक्ति पीठ) में भगवान अग्रसेन जी की आराध्य देवी एवं समस्त अग्रवालों की कुल देवी आध्य महालक्ष्मी जी एवं अष्टलक्ष्मी जी का विशाल एवं विश्वस्तरीय भव्य मंदिर निर्मित किया जा रहा है जिसमें 108 किलो ठोस चांदी से आध्य महालक्ष्मी जी की प्रतिमा व 108 किलो ठोस चांदी से उनके सिंहासन को बनाकर मंदिर में स्थापित किया जायेगा, मंदिर को भव्य एवं विशाल रूप देने के लिये यह मंदिर लगभग 108 फुट ऊँचा, 108 फुट लम्बा एवं 108 फुट चौड़ा बनाया जायेगा जो कि प्रत्येक अग्रवाल बंधु व मातृशक्ति व युवाओं की आस्था का केंद्र बन कर उभरेगा। संस्था पदाधिकारियों ने कहा कि इस मंदिर के व्यापक प्रचार प्रसार तथा इस निर्माण कार्य में देश के प्रत्येक अग्रवाल बंधु, मातृशक्ति व युवाओं व आमजन को भावनात्मक रूप से जोड़ने के उद्देश्य से पूरे देश में आध्य महालक्ष्मी रथयात्रा निकाली जा रही है। संस्था जिलाध्यक्ष गिरधारीलाल मंगल व महामंत्री शैलेंद्र अग्रवाल तथा महिला शाखा जिलाध्यक्ष श्रीमती रेणु मित्तल व युवा शाखा जिलाध्यक्ष गिरिराज अग्रवाल ने बताया कि यह रथ यात्रा यात्रा सोमवार 2 जनवरी को प्रातः 10:00 बजे से 1:00 बजे तक अजमेर शहर के आदर्शनगर व भजनगंज क्षेत्र की विभिन्न कॉलोनियों में भ्रमण किया तथा सांय 4:00 बजे से 8:00 बजे तक वैशाली नगर क्षेत्र की विभिन्न कॉलोनियों में भ्रमण किया सभी स्थानों पर स्थानीय बंधुओं व मातृशक्ति द्वारा यात्रा का भव्य स्वागत व आरती दर्शन किये। रथयात्रा 3 जनवरी को नसीराबाद व केकड़ी, 4 जनवरी को किशनगढ़, 5 जनवरी को ब्यावर व 6 जनवरी को विजयनगर आदि क्षेत्रों में भ्रमण करेगी उसके पश्चात 7 जनवरी शनिवार को पुनः अजमेर शहर के रामनगर, फॉयसागर रोड़, हरिभाऊ उपाध्याय नगर, प्रगति नगर व कोटडा आदि क्षेत्रों में भ्रमण करेगी तथा अंतिम दिन 8 जनवरी रविवार को अजमेर में भव्य शोभा यात्रा निकाली जायेगी जो प्रातः 10:00 बजे ब्ल्यू केसल, केसरगंज से प्रारंभ होकर मुख्य मार्गों से होते हुए महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल पहुंचकर संपन्न होगी। सोमवार को यात्रा में शामिल होने वाले व स्वागत आरती करने वालों में अशोक पंसारी, गिरधारीलाल मंगल, शैलेंद्र अग्रवाल, पीयूष अग्रवाल, गिरिराज अग्रवाल प्रवीण अग्रवाल, सतीश बंसल, प्रदीप बंसल, बी पी मित्तल, कैलाशचंद अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, राजेंद्र मित्तल, अनिल कुमार मित्तल, सुरेश मंगल, गिरधर गोपाल गोयल, रामचरण बंसल, विनय गुप्ता, मुकुल डानी, अगम प्रसाद मित्तल, दीपक ऐरन, अमित श्रीया, मनीष गोयल, अरुण मंगल, हनुमान दयाल बंसल, रमेशचंद गर्ग, आर एस अग्रवाल, नीलू गुप्ता, उमेशचंद गुप्ता, नरेंद्र मंगल, राजेंद्र अग्रवाल, राधेश्याम गर्ग, ओम प्रकाश गोयल, शिव शंकर फतहपुरिया, पंकज गुप्ता, जगदीश गर्ग, द्वारका अग्रवाल, गोकुल अग्रवाल, बंसल, राजकुमार गर्ग, बद्रीप्रसाद गर्ग, सुनील गोयल व वीरेंद्र अग्रवाल आदि समाज बंधु, मातृ शक्ति शामिल थे।